

भारत-भूटान संबंध और उप-राष्ट्रीय कूटनीति

प्रलिस के ललल:

[पंचवर्षीय योजना](#), [गेलेफू समारट सटी परलोजना](#), [पुनातसांगछु-II जलवदलुत परलोजना](#), [टाउन टवनलल](#), [फरकका जल-बँटवारा संधल 1996](#), [संघ सूची](#), [सकल घरेलू उतपाद](#), [मानस राषुटरीय उदुयान](#), [रॉयल मानस राषुटरीय उदुयान](#)

मेनुस के ललल:

भारत-भूटान संबंध, भारत के राषुटरीय हतल को आगे बढाने में उपराषुटरीय कूटनीतलकी कषमता

[सुरोत: बज़लनेस लाइन](#)

चरुा में कुर्यो?

भूटान नरेश की भारत यातुरा के बाद, दोनों देशों ने [भारत और भूटान](#) संबंधों को सुदृढ करने के ललल [प्रतबलदधता](#) वुयकत की, जसलमें [असम](#) जैसे राजुयो की [उप-राषुटरीय कूटनीतल](#) से दोनों देशों के आरुथकल और सांसुकृतकल संबंधों का और अधकल सुदृढीकरण हो सकतल है ।

इस यातुरा के मुखुय परणलम कुरा थे?

- सहयुग का वसुतार: भूटान ने अपनी 13वीं [पंचवर्षीय युोजना \(2024-29\)](#) के ललल भारत के नरुतर समरुथन और भूटान के आरुथकल प्रुतसाहन कारुयकरुम में भारत के युुगदान के ललल आभार वुयकत कलल ।
- आरुथकल वकलस: भारत ने [माइंडफुलनेस सटी परलोजना](#), एक सुथायी [आरुथकल केंदुर](#), के ललल नरुतर समरुथन का आशुवासन दलल है ।
- जलवदलुत सहयुग: 1020 मेगावाट की [पुनातसांगछु-II जलवदलुत परलोजना](#) में महतुतुवपूरुण प्रुगतल हुई है और दोनों देश [पुनातसांगछु-I परलोजना](#) को शीघुर पूरा करने पर सहमत हुए हैं ।
- सीमा पार कनेकटवलटी: भूटान के पूरुवी कषेतरु और असम के सीमावर्ती कषेतरुों में [परुयटन](#) और [आरुथकल गतवलधललु](#) को बढावा देने के ललल [असम](#) के दरुरांगा में [एकीकृत चेक पोसुट \(ICP\)](#) का उदुघाटन कलल गलल ।

//



उप-राष्ट्रीय कूटनीति क्या है?

- **परिचय:** उपराष्ट्रीय कूटनीति (paradiplomacy) से तात्पर्य उपराष्ट्रीय संस्थाओं (जैसे राज्य या क्षेत्र) से है जो अपने पारस्परिक हितों को बढ़ावा देने के लिये अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संलग्न होते हैं।
 - वैश्वीकरण से उप-राष्ट्रीय कूटनीति को बढ़ावा मिला है जिसमें क्षेत्रीय सरकारें परस्पर संबंधित विश्व में अपने लक्ष्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं।
- **भारत में संस्थागत तंत्र:**
 - राज्य प्रभाग: वदेश मंत्रालय के अंतर्गत 'राज्य प्रभाग' केंद्र-राज्य के बीच बेहतर संपर्क को सुगम बनाता है तथा राज्यों को व्यापार, पर्यटन, नविश आदि क्षेत्रों में वदेशी संबंध विकसित करने में सहायता करता है।
 - वाणजिय दूतावास कार्यालय एवं संघीय वदेश मामलों का कार्यालय: यह उप-राष्ट्रीय इकाइयों के साथ कूटनीति को बढ़ावा देने में सहायक है।
 - सट्टी डपिलोमेसी: सट्टी डपिलोमेसी या टाउन ट्वनिंग सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान पर केंद्रित है। उदाहरण के लिये, [कोबे-अहमदाबाद सट्टर सट्टिज](#)।
 - वैश्विक सट्टी कूटनीति के उदाहरण: ब्राजील के साओ पाउलो शहर की ब्राजील के वदेश मंत्रालय के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय संबंधों के संचालन के क्रम में अपनी स्वयं की नीति है।
 - बार्सिलोना (स्पेन), क्यूबेक (कनाडा), कैलिफोर्निया (अमेरिका), लंदन (यूके), वैकूवर (कनाडा) भी वदेशी संबंध में भूमिका निभाते हैं।
- **भारत में उप-राष्ट्रीय कूटनीति:** भारतीय राज्यों को व्यापार, वाणजिय और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों के संदर्भ में वदेश नीति कार्यान्वयन में कुछ स्वतंत्रता प्राप्त है।
 - वर्ष 2015 में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले चीन में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बांग्लादेश में भारत के प्रधानमंत्री के साथ शामिल हुए।
 - गुजरात के "वाइबरेंट गुजरात ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिति" द्वारा गुजरात में नविश को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई जाती है।
 - कर्नाटक, तमिलनाडु और बिहार जैसे अन्य राज्यों द्वारा FDI को आकर्षित करने से व्यापार के अवसर बढ़ रहे हैं।
 - वर्ष 1992 में महाराष्ट्र ने दाभोल वदियुत परियोजना के वित्तपोषण के लिये बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एनरॉन और जनरल इलेक्ट्रिक) के साथ साझेदारी की।
 - वर्ष 1996 का फरकका जल-बंटवारा मुद्दा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की बांग्लादेश यात्रा के बाद सुलझा लिया गया, जिसके परिणामस्वरूप [1996 में फरकका जल-बंटवारा संधि हुई](#)।
- **लाभ:**

- **राज्य-स्तरिय प्रभाव:** भारतीय राज्य भूमि, श्रम और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में **संघीय और राज्य नीतियों** को संरेखित करके **वदिश नीति** को आकार प्रदान करते हैं।
 - इससे **कचचातीव द्वीप** जैसे मुद्दों को रोका जा सकता है, जहाँ संघ के नरिणय से **स्थानीय आबादी** पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।
 - **पूरक शक्तियाँ:** भारतीय राज्य और उनके समकक्ष राज्य **IT और ऑटोमोटिव** जैसे क्षेत्रों में आपसी आवश्यकताओं के आधार पर **अनुकूलति दृष्टिकोण** अपनाते हुए सहयोग करते हैं।
 - **वैश्विक चुनौतियाँ:** **जलवायु परिवर्तन** और **महामारी** से उबरने में राज्य का सहयोग वैश्विक विश्व के लिये स्थानीय स्तर पर प्रभावी समाधान प्रस्तुत कर सकता है।
 - **दीर्घकालिक गठबंधन:** उप-राष्ट्रीय कूटनीति **जमीनी स्तर पर साझेदारी** को बढ़ावा देती है, **P2P और B2B संबंधों** को प्रोत्साहित करती है, जिससे स्थायी संपर्क सुनिश्चित होते हैं।
- **चिंताएँ:**
- **संवैधानिक बाधाएँ:** भारत के संविधान में वदिशी मामले **संघ सूची** के अंतर्गत हैं, जिससे राज्यों की भागीदारी सीमति तथा केंद्रीय प्राधिकार के अतिक्रमण की चिंता बढ़ जाती है।
 - **राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताएँ:** उप-राष्ट्रीय कूटनीति **राष्ट्रीय सुरक्षा** को प्रभावित कर सकती है, विशेष रूप से पूर्वोत्तर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों या पाकिस्तान और चीन की सीमा से लगे राज्यों में।
 - **बाह्य प्रभाव:** स्थानीय सरकारें गलत सूचना का लक्ष्य बन सकती हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय संबंधों को स्वतंत्र रूप से प्रबंधित करने की उनकी क्षमता प्रभावित हो सकती है।
 - छोटे शहर **वदिशी ताकतों द्वारा हेरफेर के प्रति संवेदनशील** हो सकते हैं।
 - **सार्वजनिक प्रतिक्रिया:** राज्यों द्वारा बनाए गए स्वतंत्र वदिशी संबंध, यदि राष्ट्रीय हितों के साथ संघर्ष उत्पन्न करते हैं, तो सार्वजनिक वरिध और कूटनीतिक घर्षण उत्पन्न कर सकते हैं।

असम के साथ उप-राष्ट्रीय कूटनीति भारत-भूटान संबंधों को कैसे बढ़ा सकती है?

- **व्यापार और संपर्क:** दरंगा जैसे अधिक एकीकृत चेक पोस्टों की स्थापना और **कोकराझार-गलेफू और बनारहाट-समतसे** जैसे रेलवे संपर्कों को विकसित करने के साथ-साथ असम के प्राकृतिक संसाधनों (**चाय, तेल, जोहा चावल, भूत जोलोकिया**) से **भूटान के साथ व्यापार** को बढ़ावा मल्लिगा।
 - वर्तमान में **भारत और भूटान** के बीच **70% से अधिक व्यापार पश्चिमि बंगाल के जयगाँव भूमा सीमा शुल्क स्टेशन (LCS)** से होकर गुजरता है।
- **ऊर्जा सहयोग:** भूटान की जलवदियुत कंपनियों के साथ दीर्घकालिक **वदियुत करय समझौता (PPA)** असम की **ऊर्जा आवश्यकताओं** को पूरा करने में मदद कर सकता है।
 - जलवदियुत की बिकिरी भूटान के **सकल घरेलू उत्पाद** का लगभग **63%** है।
- **समुद्री संपर्क:** **भूटान धुबरी नदी बंदरगाह** और **असम की असोम माला पहल** (सड़क अवसंरचना विकास कार्यक्रम) का उपयोग करके बांग्लादेश तक परिवहन लागत को कम कर सकता है।
- **पारसिथितिकी सहयोग:** **मानस राष्ट्रीय उद्यान** (असम) और **रॉयल मानस राष्ट्रीय उद्यान** (भूटान) पर सहयोग से **संरक्षण और पारसिथितिकी पर्यटन** को मजबूती मल्लिगी, जिससे अधिक पर्यटक आकर्षित होंगे।
- **सांस्कृतिक कूटनीति:** भूटान के साथ असम के सांस्कृतिक संबंध **सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से अधिक एकजुटता** को बढ़ावा दे सकते हैं।

नषिकर्ष

- **उप-राष्ट्रीय कूटनीति,** विशेष रूप से असम के माध्यम से, **व्यापार, ऊर्जा सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाकर भारत-भूटान संबंधों को मजबूत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका** नभित्ती है। यह वैश्विक चुनौतियों के लिये नवोन्मेषी समाधान प्रस्तुत करता है, साथ ही दीर्घकालिक द्विपक्षीय सहयोग के लिये जमीनी स्तर पर साझेदारी को भी बढ़ावा देता है।

दृष्टमैन्स प्रश्न:

प्रश्न: भारत की वदिश नीति में उपराष्ट्रीय कूटनीतिके संभावति लाभों और चिंताओं पर चर्चा कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????

प्रश्न: आतंकवादी गतिविधियों और परस्पर अवशिवास ने भारत-पाकिस्तान संबंधों को धूमलि बना दिया है। खेलों और सांस्कृतिक आदान-प्रदानों जैसी मृदु शक्तिकिसि सीमा तक दोनों देशों के बीच सद्भाव उत्पन्न करने में सहायक हो सकती है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिये। (2015)

